यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2018

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग – 5

नाम.. पिता/पति का नाम..

शहर का नाम.............................. जन्मतिथि .... मोबाइल........................ रोल नं ....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर, दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान है तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड़, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

1- lerk lLdkj ikB'kkyk di fo|kFkhZ gk A ¼ ½
2- 97 vid ,o lkekf;d dju okys 3 vid çkIr dj ldrs gSA ¼ ½

प्रश्न 1. अर्थ लिखिए- **20×½=10**

1. सम्मदिट्ठी ....
2. णिगामसाइस्स ....
3. उज्जमइ ....
4. खवित्ताणं ....
5. सेलेसिं ....
6. महियं ....
7. णिरूंभित्ता ....
8. अह्यवरे ....
9. कल्लाणं ....
10. चित्तमतं ....
11. जयं ....
12. रण्णे ....
13. सयमाणो ....
14. उप्घुखंडे ....

15. उदरंसि

16. वीयणे

17. बीएसु

18. साहीणे

19. अंगणि

20. उक्किट्ठं

प्रश्न 2. निम्न गाथाओं का भावार्थ लिखों- **10**

1. जहा दुमस्स पुप्फेसु, भमरो आवियइ रसं। ण य पुप्फं किलामेइ, सो य पीणेइ अप्पयं।

.....

.....

2. आयावयाही चय सोगमल्लं, कामे कमाही कमियं खु दुक्खं। छिदांहि दोसं विणएज्ज, रागं एवं सुही होहिसि संपराए।

.....

.....

3. पंचासवपरिण्णाया, तिगुत्ता छसु संजया। पंचणिग्गहणा धीरा, णिग्गंथा उज्जकुदंसिणो।।

.....

.....

4. जया लोगमलोगं च, जिणो जाणइकवेली। तया जोगे णिरूंभित्ता, सेलेसि पंडिज्जइ।।

.....

.....

5. इच्चेयाइं पंच महव्वयाइं रायभोयणवेरमणं छट्ठाई अत्तहियट्ठयाए उवसंजित्ताणं विहरामि।।

.....

.....

प्रश्न 3. निम्न गाथाओं को पूर्ण करो- **20**

1. एमेए समणा.....। साहुणो...।

2. वत्थगंधमलंकार.....। अच्छंदा...।

3. अट्ठावए य.....धारणहणए...।

4. सोवच्चले.....। सामुछे...।

5. खुलासा.....महावीरेणं...।

6. अंडया.....सम्मुछिमा...।।

7. मुसावायं पच्चक्खामि.....

8. पडिक्कमामि.....। तच्चे भंते।....।

9. जया.....,.....अणुत्तरं। ....।

10. पढमं .....अणाणी...।

11. बीएसु वा,.....जाएसु वा,...।

12. ण घट्टाविज्जा.....पज्जालाविज्जा...।

13. अवसर बीत्यो.....पुण्य...।

14. गुरू निग्रंथों.....,.....बताया...।

15. सुख दुःख.....।

16. संसार ठगने .....किया...।

17. सत्कर्म पहले.....नही...।

18. कुन्ताग्र.....वेगावतार...।

19. इत्थंयथा.....। धर्मोपदेशन...।

20. सर्वादिशो.....,प्राच्येव...।

प्रश्न 4. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (कोई 10) **10×2=20**

1.पूवार्ध(पुरिमड्ठ) सूत्र का प्रत्याख्यान लिखो।

.....

.....

.....

2.आयंबिल में कौनसा आहार ग्रहण किया जाता है ?

.....

.....

.....

3. ग्यारहवां पौषध कैसे किया जाता है ?

.....

.....

.....

4. आचार्य मानुतंगजी की हथकड़ी कैसे टूटी ?

.....

.....

.....

5. अनाथी मुनि ने क्या निश्चय किया जिससे उनकी वेदना क्षीण हो गई ?

.....

.....

.....

6. पवनंजय ने अंजना का त्याग क्यों किया ?

.....

.....

.....

7. भगवान मल्लीनाथ की कहानी से आपने क्या सीखा ?

.....

.....

.....

8. श्रावकजी की धर्मरूचि का प्रभाव कैसा होना चाहिए ?

.....

.....

.....

9. परमाणु और प्रदेश में क्या अंतर है ?

.....

.....

.....

.....

10. आहारक वर्गणा किसे कहते है ?

.....

.....

.....

11. वेदनीय कर्म किसे कहते है ?

.....

.....

.....

प्रश्न 5. खानी स्थान भरिए- **15**

1. मनक के लिए द्धादशांग गणिपिटक से .....की रचना की।

2. .....के साथ थोड़े समय तक पालन किया हुआ संयम भी सुगति देने वाला होता हैं।

3. अचानक कोई वस्तु मुंह में गिर जाना.....हैं।

4. तेले से ऊपर की तपस्या में.....का ही उपयोग करना चाहिए।

5. .....आत्मचिन्तन एवं आत्मविकास की सर्वोत्तम साधना हैं।

6. कल्पान्त काल ..... ?

7. .....निरंतर भूरि-संख्या, दीप्तया जयत्यपि निशा-मपि सोम सौम्याम्।

8. नर जन्म पाकर भी वृथा ही, ...रहा।

9. कपटपूर्वक असत्य बोलना एंव कपट को छूपाने के लिए अधिक झूठ बोलना.....हैं।

10. नैरयिक .....की आयुष्य वाले होते है।

11. गड्ढे आदि में गिर पड़ना .....हैं।

12. दूसरों को झूराने से .....बंधता है।

13. कुटुम्ब परिवार के मोह में डूबा रहे तो .....।

14. मल्लीकुमारी के रूप लावण्य की चर्चा .....के कौने-कौने में होने लगी थी।

15. अंजना महासती समय का पालन करके .....सिधार गये।

प्रश्न 6. गलत शब्द के नीचे अण्डर लाईन करके सही शब्दों को लिखो। **12**

1. दशवैकालिक के दूसरे अध्ययन का नाम ''खुडिडयायर कहा'' हैं।

2. दयाभाव में 11 सामायिक की आराधना होती है।

3. भाई-भाई का तथा बहन-बहन का स्पर्श नहीं करें।

4. श्रमण वर्ग पारिट्ठावणियागारेणं का उच्चारण नहीं करे।

5. माता-पिता के सामने, बोली सुनाकर तोतली, करता नहीं क्या किस बालक, बाल्यवश लीलावली।

6. मल्लिनाथ भगवान की जन्मतिथि, दीक्षातिथि, निर्वाण तिथि समान है।

7. परमात्मा की कामधेनु तथा नंदनवन के समान सुखदायी है।

8. छहों राजाओं को चिन्तन करते-करते अवधिज्ञान हुआ।

9. माया कपट सहित तप करे तो ज्ञान बढ़े।

10. सिद्ध शिला 5 रज्जू हैं।

11. संपूर्ण जीवों की संख्या में भव्य जीव आटे में नमक के समान भी नहीं है।

12. त्मावेम सम्य-गुपलभ्य जयन्ति अमृतं।

प्रश्न 7. सही जोड़ी बनाइये। **10**

1. मद	कुंभकार	.....
2. पौषध	परमाणु	.....
3. अरूपी अजीव	मनुष्यायु	.....
4. आहारक	नीच गौत्र	.....
5. वचन की वक्रता	राजा का द्वारपाल	.....
6. दर्शनावरणीय	18 दोष	.....
7. सत्व	रबर	.....
8. दयाभाव	पृथ्वीकाय	.....
9. रूपी अजीव	अशुभ नामकर्म	.....
10. गौत्रकर्म	काल	.....